



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 24 मई, 2026

जारी करने का समय: 1500 घंटे

- विषय: (i) मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत में अगले 7 दिनों तक और पूर्वी और उससे सटे प्रायद्वीपीय भारत में अगले 3-5 दिनों तक ऊष्ण लहर से भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान में 29 मई से कमी आने की संभावना है।
- (ii) केरल और लक्षद्वीप, तमिलनाडु, उत्तर-पूर्वी और उससे सटे पूर्वी भारत में अगले 4-5 दिनों तक कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 की प्रगति (अनुलग्नक I):

- ❖ 24 मई 2026 तक मानसून की उत्तरी सीमा 7°N/60°E, 7°N/70°E, 7°N/75°E, 8°N/80°E, 10°N/85°E, 13.5°N/90°E और 17°N/95°E से होकर गुजर रही है।
- ❖ अगले 2-3 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर, कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के शेष भागों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ हैं।

आज, 24 मई, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी (11-20 सेमी) और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी (≥ 21 सेमी) वर्षा दर्ज की गई है।
- ❖ तटीय कर्नाटक में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी (11-20 सेमी) वर्षा दर्ज की गई है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार, कोंकण, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और केरल में कुछ स्थानों पर भारी (7-11 सेमी) वर्षा दर्ज की गई है।
- ❖ उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि हुई है।
- ❖ असम और मेघालय, ओडिशा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में कुछ स्थानों पर 60-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक हुई। अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, मराठवाड़ा, तटीय आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, कोंकण, हिमाचल प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर 40-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं।
- ❖ विदर्भ के कई स्थानों पर, छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा और पश्चिमी राजस्थान के छिटपुट इलाकों में ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रही।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर रातें गर्म रहीं।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ दिन का तापमान/अधिकतम तापमान (23-05-2026 तक): कल, मध्य भारत, उससे सटे उत्तर प्रदेश, पूर्वी और उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत में अधिकतम तापमान 43-47°C के बीच रहा, जबकि पूर्वोत्तर भारत, पश्चिमी हिमालय क्षेत्र और पश्चिमी दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत को छोड़कर देश के शेष भागों में अधिकतम तापमान 40-43°C रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 47.1°C ब्रह्मपुरी (विदर्भ) में दर्ज किया गया।
- ❖ दिन का तापमान/अधिकतम तापमान में अंतर (23-05-2026 तक): कल, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, विदर्भ और ओडिशा में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा। हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा, जबकि देश के बाकी हिस्सों में यह सामान्य से कम या लगभग सामान्य रहा।
- ❖ 24 मई, 2026 को पूर्वी राजस्थान, विदर्भ, ओडिशा और गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में रात्रि का तापमान/न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; जम्मू-कश्मीर, उत्तरी पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, झारखंड, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा, जबकि देश के बाकी हिस्सों में यह सामान्य से कम या लगभग सामान्य रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक II एवं III देखें):

- ❖ पश्चिमी विक्षोभ जम्मू और आसपास के इलाकों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर चक्रवाती परिसंचरण के रूप में मौजूद है।
- ❖ दक्षिण बिहार और आसपास के इलाकों में एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण स्थित है और इस ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण से उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक उत्तर-दक्षिण गर्त फैला हुआ है।
- ❖ मध्य असम और आसपास के इलाकों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और आसपास के इलाकों में निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण स्थित है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है।
- ❖ 28 मई, 2026 से उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करने वाला एक नया पश्चिमी विक्षोभ संभावित है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 24 और 25 मई को असम और मेघालय में तथा 24 मई को नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 24 मई को असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है।
- ❖ 24 से 26 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में, 24 से 29 मई के दौरान असम और मेघालय में तथा 24, 25, 29 और 30 मई को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 24 और 25 मई को अरुणाचल प्रदेश में और 24 से 27 मई के दौरान असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 24 से 28 मई के दौरान केरल, माहे और लक्षद्वीप में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ व्यापक हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

- ❖ 24 से 28 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल और आंतरिक कर्नाटक में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ छिटपुट से लेकर मध्यम वर्षा होने की संभावना है; 24 से 27 मई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, रायलसीमा और 24 से 30 मई के दौरान तेलंगाना में भी यही स्थिति रहेगी।
- ❖ 24 मई को रायलसीमा और 24 से 26 मई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 24 से 26 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; केरल और माहे में 24 से 28 मई तक; लक्षद्वीप में 24 से 27 मई तक; तटीय कर्नाटक में 24 मई को; आंतरिक कर्नाटक में 24 और 25 मई को छिटपुट भारी वर्षा होने की भी संभावना है।
- ❖ 24 मई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 24 से 26 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 24 से 30 मई के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में तथा 24 से 28 मई के दौरान बिहार में छिटपुट से लेकर मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) की संभावना है।
- ❖ 24 मई और 27 से 29 मई के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, 26 से 28 मई के दौरान बिहार में, और 24 और 25 मई को झारखंड और ओडिशा में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 24 से 27 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और बिहार में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है, साथ ही 24 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की भी संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में 24, 25 और 28-30 मई के दौरान; उत्तराखंड में 24, 25, 29 और 30 मई के दौरान छिटपुट से लेकर मध्यम दर्जे की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) की संभावना है।
- ❖ पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 24 और 28-30 मई के दौरान छिटपुट से लेकर मध्यम दर्जे की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) की संभावना है; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 25-29 मई के दौरान और राजस्थान में 24 और 30 मई के दौरान भी यही स्थिति रहेगी।
- ❖ जम्मू-कश्मीर में 24 मई को गरज के साथ तेज हवाएं (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 28 और 29 मई को तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 29 और 30 मई को ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर में 24 मई को और हिमाचल प्रदेश में 29 मई को छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ राजस्थान में 24 मई को कुछ स्थानों पर धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ विदर्भ में 26 से 28 मई के दौरान गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) के साथ छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 24, 27 और 28 मई को कोंकण और गोवा में, 24 से 28 मई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में और 24 से 27 मई के दौरान मराठवाड़ा में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की गति तक) के साथ छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में 28 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 29 और 30 मई को इसमें 3-5°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- ❖ पंजाब में 26 मई तक अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है; 27 और 28 मई को कोई खास बदलाव नहीं होगा और 29 और 30 मई को इसमें 3-5°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- ❖ मध्य भारत में 28 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 29 और 30 मई को इसमें 2-4°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- ❖ पूर्वी भारत में 26 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 27 से 30 मई के दौरान इसमें 2-3°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में 30 मई 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम, गर्म रात की चेतावनी:

- ❖ 24 से 28 मई के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है; 25 से 27 मई के दौरान कुछ इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति रहेगी।
- ❖ 24 से 28 मई के दौरान उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है; 24 से 26 मई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति रहेगी।
- ❖ 24 से 30 मई के दौरान राजस्थान के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है; इसी अवधि के दौरान पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति रहेगी।
- ❖ 24 से 30 मई के दौरान मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है; 24 से 28 मई के दौरान भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति रहेगी।
- ❖ 24 से 29 मई के दौरान विदर्भ के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है; 24 से 27 मई के दौरान भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति रहेगी।
- ❖ छत्तीसगढ़ में 24 से 27 मई तक, ओडिशा में 24 से 28 मई तक, बिहार, झारखंड और तेलंगाना में 24 से 26 मई तक, जम्मू-कश्मीर में 26 और 27 मई को और हिमाचल प्रदेश में 26 से 28 मई तक कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 24 मई को और गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 24 से 26 मई तक गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 24 मई को, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 24 और 25 मई को और विदर्भ में 24 से 26 मई तक कुछ इलाकों में गर्म रातें रहने की प्रबल संभावना है।

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 24 मई से 27 मई, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- ❖ मछुआरों को निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:
- ❖ बंगाल की खाड़ी: 24 से 29 मई तक मन्नार की खाड़ी के ऊपर; 24 से 27 मई तक दक्षिण बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों में; 27 और 28 मई को दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में; 24 और 25 मई को दक्षिण आंध्र प्रदेश तट और उससे सटे उत्तरी तमिलनाडु और उत्तरी आंध्र प्रदेश तटों के आसपास न जाने की सलाह दी जाती है।

- ❖ अरब सागर: 24 मई को केरल, कर्नाटक तटों, लक्षद्वीप, कोमोरिना क्षेत्रों, मालदीव क्षेत्र से सटे, दक्षिण-पूर्वी और दक्षिण-पश्चिमी अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 25 से 29 मई तक केरल, कर्नाटक तटों, लक्षद्वीप, कोमोरिना क्षेत्रों और मालदीव क्षेत्र से सटे; 24 से 29 मई तक सोमालिया तट और उससे सटे दक्षिण-पश्चिमी अरब सागर के कुछ हिस्सों में न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 24 से 27 मई 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ असम और मेघालय: तुरा_एडब्ल्यूएस (जिला वेस्ट गारो हिल्स) 29, जेडआरएस अकबरपुर (जिला श्रीभूमि) 21, करीमगंज_एडब्ल्यूएस (जिला श्रीभूमि) 19, बी पी घाट (जिला श्रीभूमि) 15, मतिजुरी अर्ग (जिला हैलाकांडी) 15, करीमगंज (जिला श्रीभूमि) 11, मतिजुरी (जिला हैलाकांडी) 9, ए पी घाट (जिला कछार) 8, भागमारा (जिला साउथ गारो हिल्स) 8, सिलचर (जिला कछार) 8, बहालपुर (जिला धुबरी) 7;
- ❖ तटीय कर्नाटक: तटीय कर्नाटक: कारवार (जिला उत्तर कन्नड़) 20; मानकी (जिला उत्तर कन्नड़) 12; मुंडगोड (जिला उत्तर कन्नड़) 9; येल्लापुर (जिला उत्तर कन्नड़) 8; सिद्दपुरा (जिला उडुपी) 7; उडुपी (जिला उडुपी), अंकोला (जिला उत्तर कन्नड़), कुमता (जिला उत्तर कन्नड़) 6 प्रत्येक;
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: खोंसा (जिला तिराप) 10;
- ❖ कोंकण: देवगढ़ (जिला सिंधुदुर्ग) 10, कंकावली (जिला सिंधुदुर्ग) 7;
- ❖ उत्तर आंतरिक कर्नाटक: उत्तर आंतरिक कर्नाटक: तवरगेरा (जिला कोप्पल) 10; नलवाटवाड (जिला विजयपुरा) 9; शोरापुर (जिला यादगीर), नारायणपुर एचएमएस (जिला यादगीर) 8 प्रत्येक; देवदुर्ग (जिला रायचूर), जलाहल्ली (जिला रायचूर), कक्केरी (जिला यादगीर) 7 प्रत्येक; कलादगी (जिला बागलकोट), बालागानूर (जिला रायचूर) 6 प्रत्येक;
- ❖ केरल: मुनक्कल (जिला त्रिशूर) 8, मनकोम्पु (जिला अलापुझा) 6;
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: मंगन (जिला मंगन) 9, सिंधिक (जिला मंगन) 7, कुमलाई टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 7;
- ❖ त्रिपुरा: अगरतला एयरो (जिला पश्चिमी त्रिपुरा) 8, मेट अगरतला एडब्ल्यूएस (जिला पश्चिमी त्रिपुरा) 8, उदयपुर (जिला गोमती) 7;
- ❖ बिहार: प्राणपुर (जिला कटिहार) 7

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक (भारतीय समयानुसार) तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में):

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: मझियान 98; मालदा 44;
- ❖ असम और मेघालय: मानस 70, दीफू 56, करीमगंज 54, अकबरपुर 54, उम्पनई 44, अमीनगांव 43, अल्गापुर_सर्कल 43, पंचग्राम 41, ठेकियाजुली 39, गौहाटी_विश्वविद्यालय 37, नलबाड़ी 35, नलबाड़ी 35, हाफलोंग 33, दर्गंग 33, एससीएस कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर_धुबरी 33, डाउन_टाउन_यूनिवर्सिटी 33, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर_फार्मिंग_सिस्टम_रिसर्च 33, गुवाहाटी_सिटी 31, हाफलोंग 31, शिलांग (एख) 54;
- ❖ झारखंड: दुमका 65;
- ❖ पश्चिम उत्तर प्रदेश: शामली 65, जी.बी. नगर और अलीगढ़ 46 प्रत्येक, आगरा और बरेली 44 प्रत्येक, आगरा और शाहजहाँपुर 43 प्रत्येक, बुलन्दशहर 41, अमरोहा और सहारनपुर 39 प्रत्येक, हिंडन 37;
- ❖ ओडिशा: क्यौंझरगढ़ 63;

- ❖ उत्तराखंड: चमोली 59;
- ❖ पंजाब: पटियाला 57;
- ❖ हरियाणा: करनाल 57;
- ❖ तमिलनाडु: मदुरै_इसरो (मदुरै) 57, इरोड_इसरो (इरोड) 43, यरकौड_इसरो (सलेम) 41, कोविलपति (थूथुकुडी) 41 और विरुधुनगर (विरुधुनगर) 39;
- ❖ बिहार: मधेपुरा 56;
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: दीमापुर 53; वोखा 44; साक्षी 44; लेम्बुचेरा 57; कमालपुर 50; अगरतला से मुलाकात 83; हेज़ामारा 39;
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: लखनऊ 52, लखनऊ (इंटीग्रल यूनिवर्सिटी) 48, बहराईच और मिर्ज़ापुर, बाराबंकी 39 प्रत्येक, गोरखपुर और वाराणसी 37 प्रत्येक;
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: एनआईएएसएम_बारामती (पुणे) 52, कलवन (नाशिक) 39;
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ: भचाऊ 50;
- ❖ हिमाचल प्रदेश: सेओबाग 48, चंबा 43;
- ❖ कोंकण और गोवा: देवगढ़ (सिंधुदुर्ग) 48, पालघर_AWS_400(पालघर) 24;
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: सीहोर 48;
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: रीवा 46;
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश: मरुतेरू 46;
- ❖ मराठावाड़ा: अंबेजोगई (बीड) 44, जलगांव (जलगांव) 44
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: लॉन्गडिंग_न्यू 44, बोमडिला 43

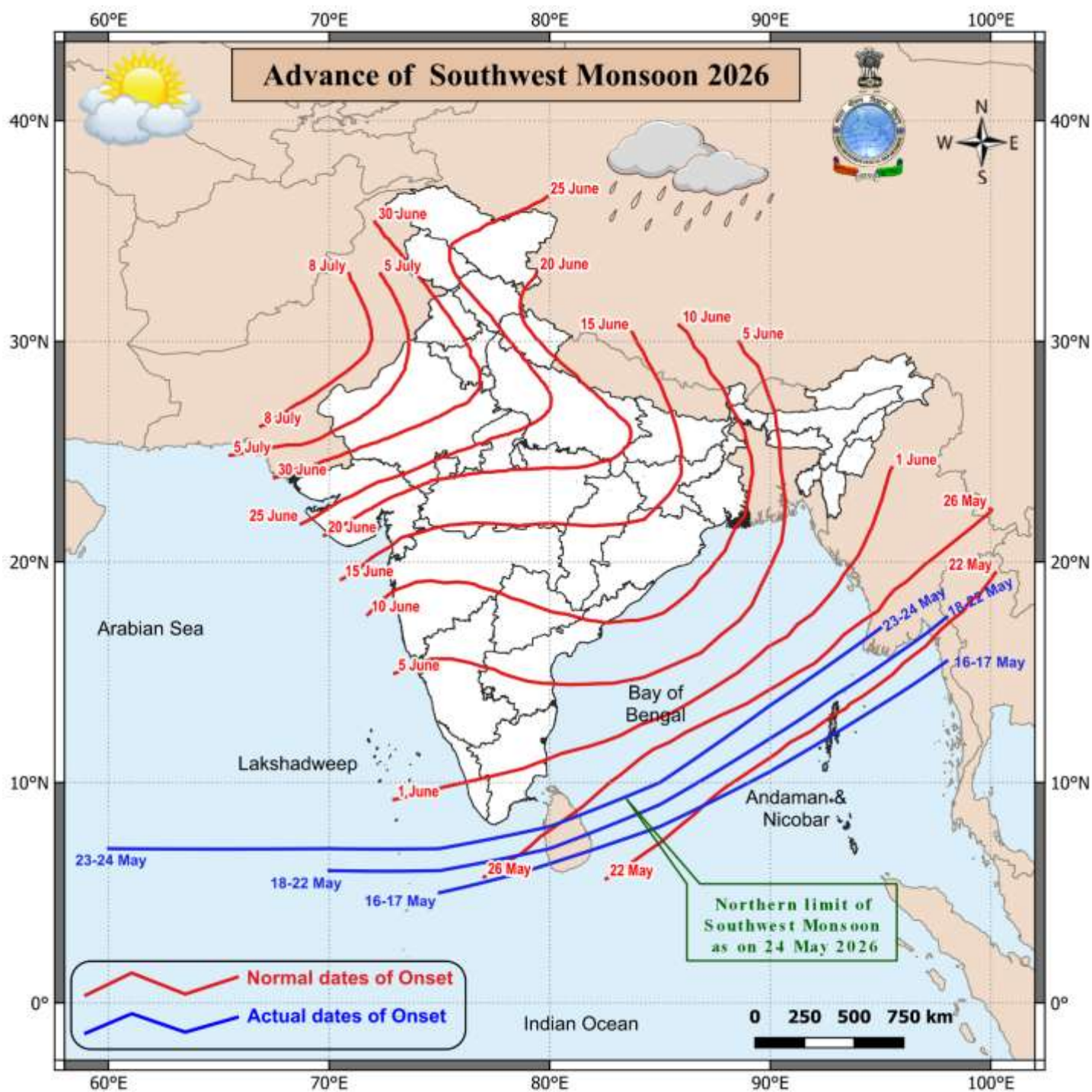
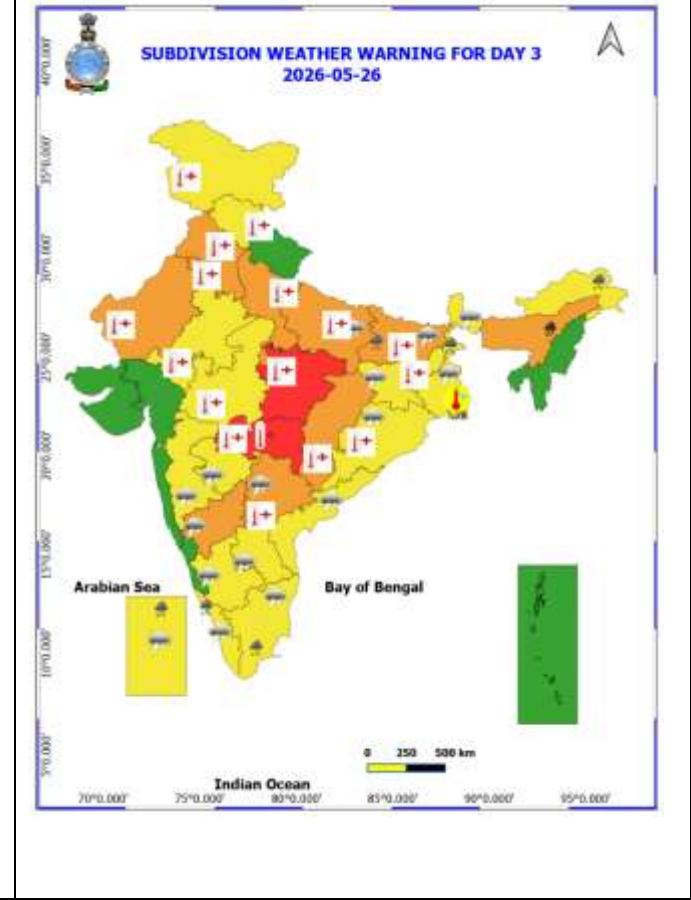
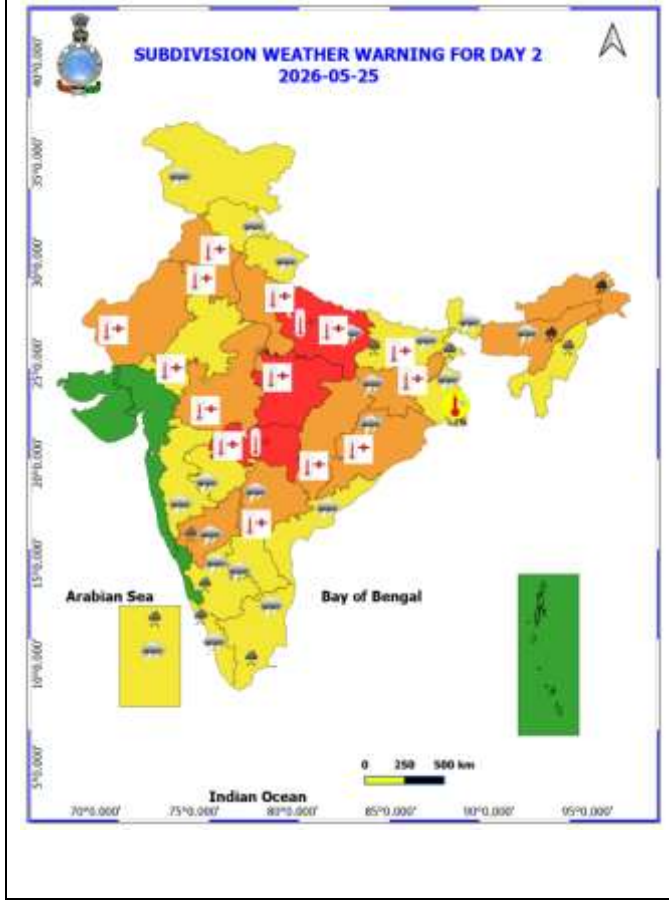
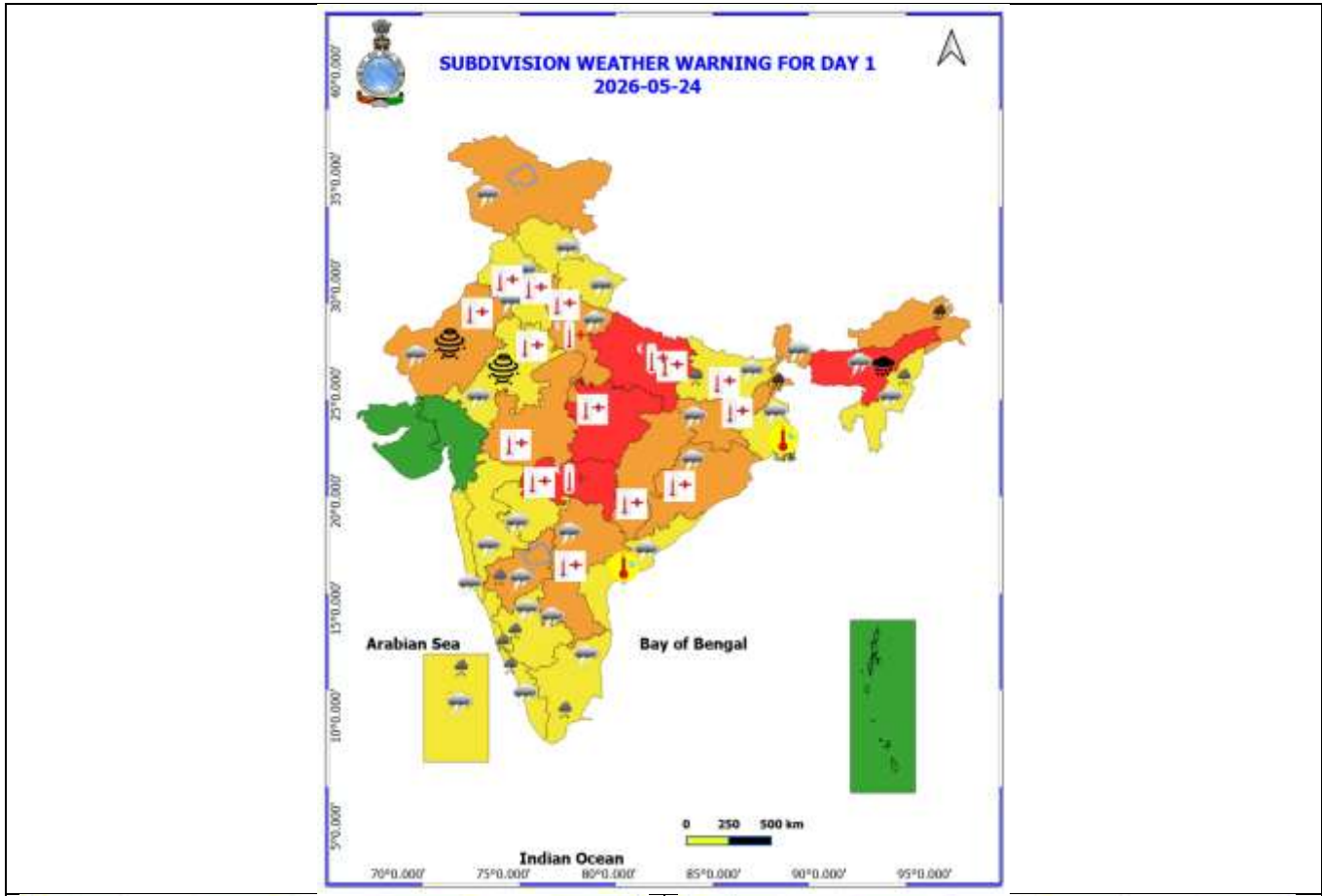
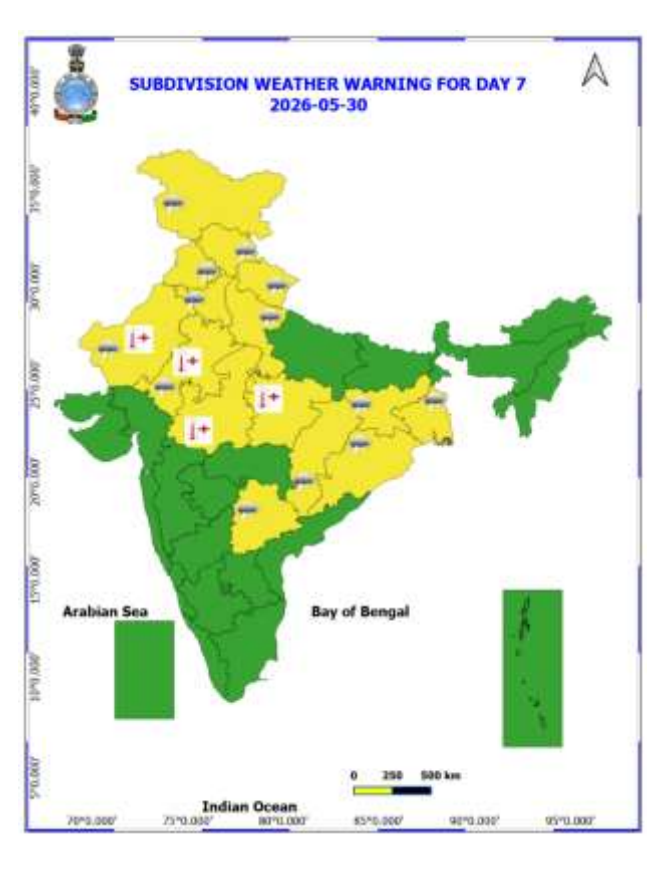
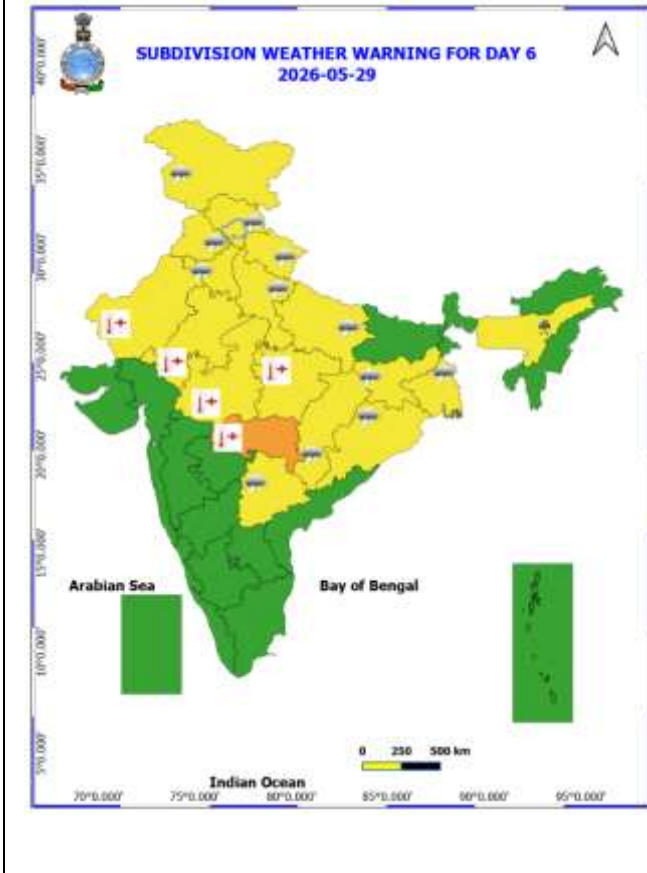
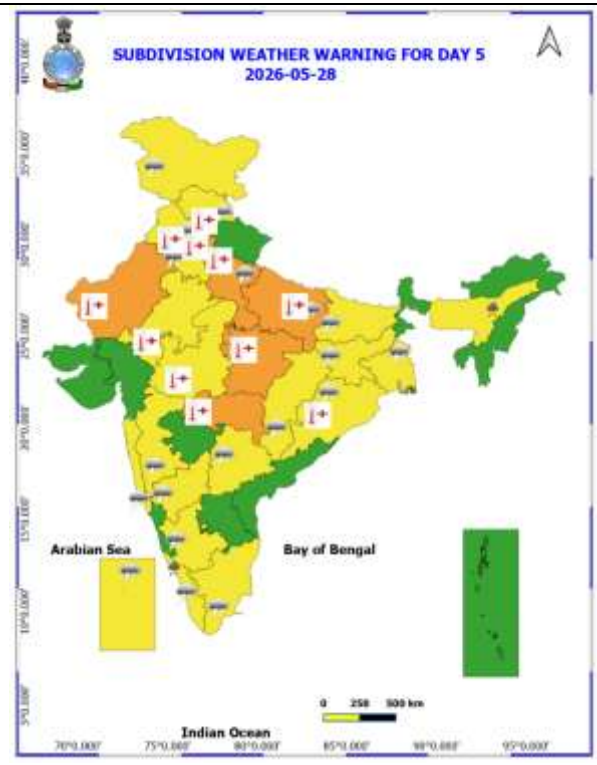
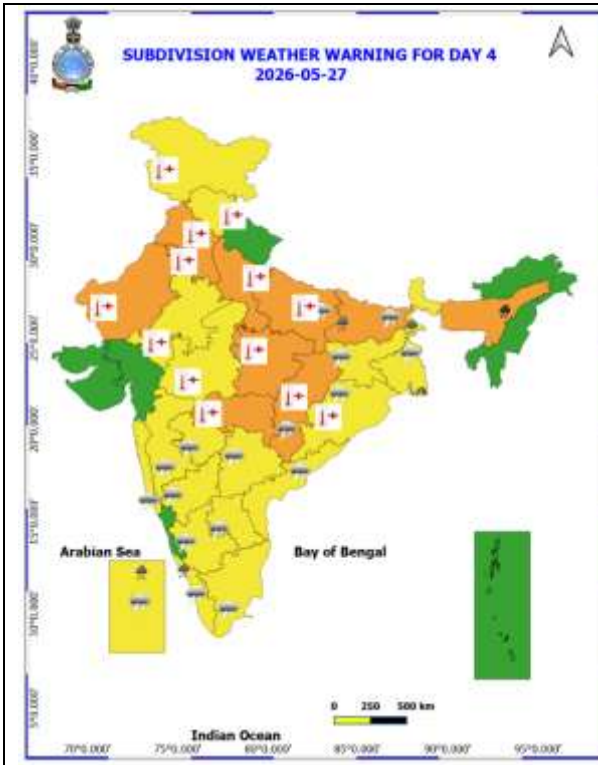


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	24- May	25- May	26- May	27- May	28- May	29- May	30- May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WFS	WFS	SCT	WFS	SCT	WFS	WFS
2	ARUNACHAL PRADESH	WFS	WFS	WFS	WFS	FWS	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WFS	WFS	WFS	WFS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WFS	WFS	WFS	WFS	FWS	SCT	SCT
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
9	BIHAR	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT
14	PUNJAB	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	SCT	DRY	DRY	SCT	FWS	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	DRY	DRY	SCT	SCT	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WFS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS
36	LAKSHADWEEP	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

24 मई से 27 मई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1-2°C की गिरावट आई है और न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 41-43°C और न्यूनतम तापमान 26-29°C के बीच रहा। दिल्ली के कुछ इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। दिल्ली के कुछ इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और सतह पर हवा की गति 20 kmph तक रही, जो कभी-कभी 36 kmph तक पहुंच गई। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली के कुछ इलाकों में बहुत हल्की बारिश देखी गई। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में मुख्य रूप से आसमान साफ रहने और सतह पर हवा की गति दक्षिण-पश्चिम दिशा से 18 kmph तक रहने की संभावना है, जो कभी-कभी 35 kmph तक पहुंच सकती है।

मौसम पूर्वानुमान:

24.05.2026: मुख्य रूप से आसमान साफ रहेगा। कुछ इलाकों में लू की स्थिति रहेगी। दिन के दौरान सतह पर लगातार तेज़ हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 25-35 kmph तक रहेगी और कभी-कभी 45 kmph तक पहुंच सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 43°C से 45°C के बीच रहने की संभावना है। दोपहर के समय सतह पर मुख्य रूप से पश्चिमी दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 25 kmph तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर पश्चिमी दिशा से 22 kmph तक हो जाएगी।

25.05.2026: मुख्य रूप से आसमान साफ रहेगा, जो दोपहर होते-होते आंशिक रूप से बादल छाए हुए हो जाएगा। कुछ इलाकों में लू की स्थिति रहेगी। दिन के दौरान सतह पर लगातार तेज़ हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 20-30 kmph तक रहेगी और कभी-कभी 40 kmph तक पहुंच सकती है। दोपहर से शाम के बीच, बहुत हल्की बारिश/बूँदाबांदी के साथ गरज/बिजली/धूल भरी आंधी और तेज़ सतही हवाएं (40-50 kmph की गति से, कभी-कभी 60 kmph तक की झोंकेदार गति से) चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 43°C से 45°C और 29°C से 31°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से पश्चिमी दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 kmph तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर पश्चिमी दिशा से 25 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर पश्चिमी दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी।

26.05.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। कुछ अलग-अलग स्थानों पर लू (Heat wave) की स्थिति बनी रहेगी। दिन के दौरान लगातार तेज़ सतही हवाएं (20-30 kmph की गति से, कभी-कभी 40 kmph तक की झोंकेदार गति से) चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 43°C से 45°C और 28°C से 30°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिमी दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 22 kmph तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिमी दिशा से 25 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर पश्चिमी दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी।

27.05.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। कुछ अलग-अलग स्थानों पर लू (Heat wave) की स्थिति बनी रहेगी। ज़मीन पर लगातार तेज़ हवाएँ चलेंगी, जिनकी रफ़्तार 20-30 kmph तक पहुँच सकती है और दिन के समय कभी-कभी 40 kmph तक के झोंके भी आ सकते हैं। दिल्ली में ज़्यादा से ज़्यादा और कम से कम तापमान क्रमशः 43°C से 45°C और 28°C से 30°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर कम से कम तापमान सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर ज़्यादा से ज़्यादा तापमान सामान्य से काफ़ी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। ज़मीन पर मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवाएँ चलेंगी, जिनकी रफ़्तार सुबह के समय 20 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की रफ़्तार बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 25 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की रफ़्तार कम होकर पश्चिम दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी।

लू की स्थिति के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- चेतावनी: लू की स्थिति की उम्मीद है; हालाँकि, तापमान सामान्य से ज़्यादा रहने की संभावना है। स्वास्थ्य को मध्यम स्तर का जोखिम हो सकता है, खासकर कमज़ोर समूहों जैसे कि शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों वाले लोगों के लिए।
- सलाह: ज़्यादा देर तक गर्मी में रहने से बचें। हल्के वज़न वाले, हल्के रंग के और ढीले सूती कपड़े पहनें। बाहर निकलते समय अपने सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकें।

छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 24 मई को जम्मू-कश्मीर और रायलसीमा में, 24 और 25 मई को झारखंड और ओडिशा में, 24 से 26 मई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में, 24 से 27 से 29 मई के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल में, 26 से 28 मई के दौरान बिहार में, 28 और 29 मई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में और 29 और 30 मई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 24 मई को जम्मू-कश्मीर और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में और 29 मई को हिमाचल प्रदेश में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।

- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी/ बहुत भारी वर्षा/ अत्यधिक भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ 24 मई को असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की प्रबल संभावना है।
- ❖ 24 से 26 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में, 24 से 29 मई के दौरान असम और मेघालय में, 24, 25, 29 और 30 मई को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, 24 और 25 मई को आंतरिक कर्नाटक में, 24 से 28 मई के दौरान केरल और माहे में, 24 से 27 मई के दौरान लक्षद्वीप, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और बिहार में, और 24 मई को तटीय कर्नाटक में भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके अलावा, 24 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, 24 और 25 मई को अरुणाचल प्रदेश में, और 24 से 27 मई के दौरान असम और मेघालय में भी अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

ऊष्ण लहर/ भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत में अगले 7 दिनों तक और पूर्वी और उससे सटे प्रायद्वीपीय भारत में अगले 3-5 दिनों तक ऊष्ण लहर से भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

❖ रेड अलर्ट क्षेत्र

- सभी आयु वर्ग के लोगों में लू लगने और हीट स्ट्रोक होने की अत्यधिक संभावना है
- संवेदनशील लोगों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।

❖ ऑरेंज अलर्ट क्षेत्र

- उच्च तापमान और लंबे समय तक धूप में रहने वाले या भारी काम करने वाले लोगों में लू लगने के लक्षणों की संभावना बढ़ जाती है।

- संवेदनशील लोगों, जैसे शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएं हैं।
- गर्मी से बचें - शरीर को ठंडा रखें। निर्जलीकरण से बचें।
- पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस, घर के बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

❖ येलो अलर्ट क्षेत्र

- सामान्य तापमान और गर्मी आम जनता के लिए सहनीय है, लेकिन संवेदनशील लोगों, जैसे शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए मध्यम स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं हैं।
- गर्मी से बचें।
- हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढकें, कपड़े, टोपी या छाते का इस्तेमाल करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेल्नेट या हेल्कैप का उपयोग करें।
- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अरुणाचल प्रदेश में, सब्जी, मक्का और नर्सरी के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। डब्ल्यूआरसी धान नर्सरी बेड से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु जल निकासी चैनल खुले रखें। धान नर्सरी बेड को पॉलिथीन शीट या पुआल से ढक दें।
- असम में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद बोरो धान की कटाई करें और पहले से काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान की नर्सरी क्यारियों को पतली पॉलिथीन शीट से ढक दें। धान की नर्सरी, सब्जियों, केले, संतरे और पपीते के खेतों से अतिरिक्त पानी को शीघ्र निकालने हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- मेघालय में, साफ मौसम में केले के परिपक्व फलों की तुरंत तुड़ाई करें। मक्का, अदरक, सब्जी, केला और बागानों से अतिरिक्त वर्षा जल को निकालने हेतु आवश्यक व्यवस्था करें।
- नागालैंड में, बैंगन की रोपाईं देरी से करें। पहले से ही रोपे गए पौधों, मक्का, सब्जियों और बागानों में और उसके आसपास उचित जल निकासी बनाए रखें।
- मणिपुर में, आवश्यक जल स्तर बनाए रखने हेतु धान के खेतों के चारों ओर मेड़ और बांध अच्छी तरह से बनाए। मिर्च, अदरक, हल्दी, केला और अन्य फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल को निकालने हेतु पर्याप्त जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें।
- मिजोरम में, धान के खेतों के चारों ओर जल निकासी के लिए नालियाँ बनाएँ और बीजों को ढकने के लिए घास के मलच का उपयोग करें। फल देने वाले या आंशिक रूप से झुके हुए पौधों/पेड़ों को सहारा दें। मक्के के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें भी सहारा (Propping) प्रदान करें।
- त्रिपुरा, परिपक्व बोडो धान की तुरंत कटाई करें और काटी गई उपज को सुरक्षित और सूखे स्थान पर स्थानांतरित करें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद परिपक्व धान और मक्के की कटाई करें और पहले से ही काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान, मक्का, जूट और सब्जियों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। भिंडी की बुआई स्थगित करें।
- तमिलनाडु में, धान की नर्सरी, कपास, ज्वार और सब्जियों में पानी के जमाव को रोकने हेतु उचित जल निकासी बनाए रखें।

- **केरल** में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- **लक्षद्वीप:** खड़ी फसलों में सिंचाई, निराई-गुड़ाई और पौधों की सुरक्षा के उपाय व उर्वरकों के प्रयोग को कुछ समय के लिए टाल दें। खेतों में जलभराव को रोकने के लिए, खड़ी फसलों वाले खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **कर्नाटक** में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद परिपक्व धान की कटाई करें। धान के खेतों, सुपारी और आम के बगीचों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। टमाटर के पौधों को स्टेकिंग प्रदान करें।

उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **पंजाब** में कपास, सब्जियों और बागानों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें।
- **हरियाणा** में गन्ने, कपास और ग्रीष्मकालीन चारा फसलों में पर्याप्त सिंचाई बनाए रखें। धान की नर्सरी की तैयारी पूरी करें और सुनिश्चित सिंचाई सुविधाओं का प्रबंध करें तथा नई बोई गई फसलों में जल संकट को कम करने के लिए मल्लिचंग/नमी संरक्षण पद्धतियों को अपनाएं।
- **उत्तर प्रदेश** में, मक्का, मूंग, काली मूंग, गन्ना, सूरजमुखी, सब्जियां और आम, केला और पपीता जैसे फलों की खड़ी फसलों के लिए नियमित सिंचाई और मल्लिचंग करें।
- **राजस्थान** में मूंग, लौकी, कद्दू, तोरी, खीरा, करेला, भिंडी, पालक और आम, आंवला, अनार, बेल और बेर जैसे युवा फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। वाष्पीकरण से जल हानि को कम करने के लिए मिट्टी की मल्लिचंग/पुआल/पॉलीथीन से मल्लिचंग करें।
- **बिहार** में खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी की नमी के नुकसान को कम करने के लिए फसल के अवशेष, पुआल या पॉलीथीन से मल्लिचंग करें। फलों के पौधों को अधिक तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का उपयोग करें।
- **झारखंड** में, दालों और सब्जियों में नियमित अंतराल पर हल्की सिंचाई करें।
- **ओडिशा** में - बोरो धान, ग्रीष्मकालीन मक्का, हरा चना, काला चना, मूंगफली और सब्जी के खेतों में हल्की सिंचाई प्रदान करें। सुनिश्चित करें कि आम और काजू की फसलों में मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे।
- **मध्य प्रदेश** में, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- **छत्तीसगढ़** में - रबी मक्का, केला और पपीते के बागानों में खरपतवार निकालने और गुड़ाई करने के बाद हल्की सिंचाई करें। गेहूं और चने की कटाई पूरी करें, और उनके सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करें।
- **महाराष्ट्र - विदर्भ** में, सब्जियों और फलों के बागों को सुबह या शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई दें; पौधों के विकास के महत्वपूर्ण चरणों के दौरान सिंचाई की आवृत्ति बढ़ा दें। गन्ने, गर्मियों की मूंगफली, सब्जियों और फलों के बागों को आवश्यकतानुसार सिंचाई दें; सब्जियों और फलों के बागों में जैविक या पुआल की मल्लिचंग का उपयोग करें; केले के गुच्छों को पत्तों से ढकें; और नए लगाए गए केले के बागों में शेड नेट का उपयोग करें।
- **तेलंगाना** में - आवश्यकतानुसार आम के बागानों और सब्जियों की फसलों को सिंचाई प्रदान करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

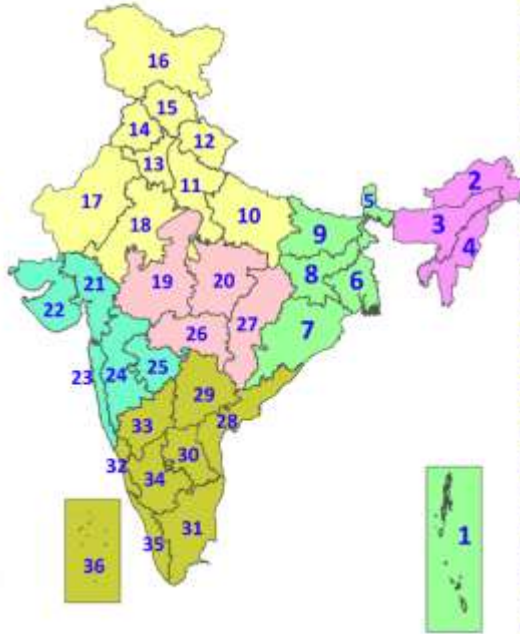
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal
Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .
Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$
(b). Based on Actual maximum temperature
Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.
Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$
(c). Criteria for heat wave for coastal stations
When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C
Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .
Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure
Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)
Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$
Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$
(c) For Coastal Stations
When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure
Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$
Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres
Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres
Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground
Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.
Moderate: Wind speed 52-61 kmph
Severe: Wind speed 62-87 kmph
Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area
Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)
Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)